शंभू ये तेरी माया

शंभू ये तेरी माया,
कहीं है धूप,
कहीं है छाया……..
शंभू ये तेरी माया,
कहीं है धूप,
कहीं है छाया…….

खुद तूने विष पिया,
ऑरो को अमृत पिलाया,
तेरे जैसा योगी ना मिला है,
ना पाया……..

सांसें तब तक चलेगी,
जब तक रहेगा तेरा साया,
भोले……

शंभू ये तेरी माया,
कहीं है धूप,
कहीं है छाया……

शंभू ये तेरी माया,
कहीं है धूप,
कहीं है छाया…….

तू अघोरी भस्म सनी तेरी काया,
त्रिशूल उठा के तांडव जबो,
डमरू बांध दमय……..

तू अघोरी भस्म सनी तेरी काया,
त्रिशूल उठा के तांडव जबो,
डमरू बांध दमय……

कांपी ये धारी जग घबराये,
अंबर थार थराये…….

शंभू ये तेरी माया,
कहीं है धूप,
कहीं है छाया,
भोले……..

शंभू ये तेरी माया,
कहीं है धूप,

कहीं है छाया……

औरो को दौलत बातें,
खुद से दूर मोह माया,
औरो को दौलत बातें,
खुद से दूर मोह माया……..

सांसो में योगी,
योगी में संसार समय……

शंभू ये तेरी माया,
कहीं है धूप,
कहीं है छाया……

शंभू ये तेरी माया,
कहीं है धूप,
कही है छाया……

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/26091/title/shambhu-ye-teri-maya

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |